स्थायी शिक्षकों की नियुक्ति, खाली पदों को भरना बेहद जरूरी

2026-27 के बजट में शिक्षा पर विशेष ध्यान : शहर के बुद्धिजीवियों और विद्यार्थियों ने की बजट की सराहना, कहा-आधारभूत ढांचा मजबूत होगा, बेहतर सुविधाएं मिलेंगी

संवाद न्यूज एजेंसी

चंडीगढ़। वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में शिक्षा पर खास फोकस किया गया है। शहर के बुद्धिजीवियों, विद्यार्थियों ने इस बजट की सराहना की है।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए स्थायी शिक्षकों की नियुक्ति और खाली स्थायी पदों को भरना जरूरी बताया है।

शिक्षा क्षेत्र में 8.27% वृद्धि सराहनीय

हम बजट 2026 का स्वागत करते हैं। शिक्षा क्षेत्र को 8.27 प्रतिशत वृद्धि के साथ 1.39 लाख करोड़ रुपये का आवंटन देना सराहनीय कदम है। इससे आधारभूत ढांचा मजबूत होगा और छात्रों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। -प्रवीण गोयल, प्रोफेसर, यूआईईटी विभाग, पीयू

शिक्षा क्षेत्र में होगा सकारात्मक बदलाव

केंद्रीय बजट शिक्षा क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव की दिशा दिखाता है। शिक्षा बजट में 8.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी, यूनिवर्सिटी टाउनशिप, क्रिएटिव लैब और शोध को उद्योग से जोड़ने की पहल स्वागतयोग्य है। विदेशी शिक्षा पर टीसीएस में कटौती और हर जिले में गर्ल्स हॉस्टल का प्रस्ताव छात्रों को भविष्य के लिए तैयार करेगा। -प्रो. नवीन गुप्ता, माइक्रोबायोलॉजी विभाग, पंजाब यूनिवर्सिटी

बजट युवा शक्ति से प्रेरित

यह बजट युवा शक्ति से प्रेरित है। आधुनिक तकनीक, एआई और सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 पर जोर रोजगार और उत्पादकता बढ़ाएगा। यूनिवर्सिटी टाउनशिप, फार्मा और आयुर्वेद संस्थान, गर्ल्स हॉस्टल और उद्योग-नेतृत्व वाले प्रशिक्षण केंद्र विद्यार्थियों के लिए लंबे समय तक लाभकारी साबित होंगे। -समिता शर्मा, एचओडी, इकोनॉमिक्स विभाग, पंजाब यूनिवर्सिटी

पंजाब यूनिवर्सिटी के गांधी भवन के पास घूमने के दौरान बजट को लेकर बातचीत करते युवा। संवाद

गर्ल्स हॉस्टल का निर्णय सराहनीय

बजट विकसित भारत की सोच को मजबूत करता है। शिक्षा के लिए 1.39 लाख करोड़ रुपये का आवंटन और हर जिले में गर्ल्स हॉस्टल बनाने का निर्णय महिला सशक्तीकरण और उच्च शिक्षा में उनकी भागीदारी को नई ऊंचाई देगा। यूनिवर्सिटी टाउनशिप और एजुकेशन टू एम्प्लॉयमेंट प्रस्ताव अकादमिक और उद्योग के बीच की दूरी कम करेंगे। -प्रो. अर्चना सिंह, कम्युनिकेशन स्टडी विभाग, पंजाब यूनिवर्सिटी

शिक्षा पर कुल लागत कर घटाना राहत भरा

ऑनलाइन शिक्षा, डिजिटल साक्षरता और एवीजीसी कंटेंट क्रिएटर लैब्स गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक समान पहुंच सुनिश्चित करेंगी। शिक्षा पर कुल लागत कर को 5 प्रतिशत से घटाकर 2 प्रतिशत करना छात्रों और उनके परिवारों पर वित्तीय बोझ कम करेगा, जो एक अहम और राहत भरा कदम है। -डॉ. अजय शर्मा, प्रिंसिपल, सेक्टर-32 एसडी कॉलेज, चंडीगढ़

कॉरपोरेट जरूरतों के हिसाब से ढाला जा बजट

केंद्रीय बजट में शिक्षा को सामाजिक उत्थान और सार्वजनिक हित के बजाय कॉरपोरेट जरूरतों के हिसाब से ढाला जा रहा है। बजट में शिक्षा की सुलभता, विस्तार और शैक्षणिक स्वायत्तता को मजबूत करने की कोई ठोस योजना नहीं है। -शेष नाथ तिवारी संयोजक, आइसा

युवाओं के लिए प्रभावी कदम उठाने की जरूरत

बजट 2026 छात्रों की उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा। शिक्षा पर खर्च बढ़ाने के बजाय बढ़ती फीस और पढ़ाई का बोझ जारी रहेगा। इसके साथ ही जीएसटी का दबाव और रोजगार की असुरक्षा छात्रों के सामने बड़ी चुनौती बनी रहेगी। युवाओं के लिए ठोस और प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता है। -जतिंदर सिंह जतिन, पूर्व प्रधान, स्टूडेंट्स काउंसिल

Arth Parkash 2-2-26

शिक्षा और रोजगार को नई दिशा देने वाला दूरदर्शी बजट : डॉ. अजय शर्मा

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित जीजीडीएसडी कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि केंद्रीय बजट 2026 एक दूरदर्शी बजट है, जो भारत के समग्र विकास और प्रगति की दिशा में स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत करता है। शिक्षा क्षेत्र के लिए बढ़ा हुआ आवंटन, विशेष रूप से कौशल विकास और डिजिटल अवसंरचना पर दिया गया जोर, युवाओं को सशक्त बनाने और उनकी रोजगार क्षमता बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगा। ऑनलाइन शिक्षा को बढ़ावा देने और डिजिटल साक्षरता को प्रोत्साहित करने जैसी पहलें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक समान पहुंच सुनिश्चित करने में सहायक होंगी और शहरी-ग्रामीण अंतर को कम करेंगी। 15,000 स्कूलों और 500 कॉलेजों में एवीजीसी कंटेंट क्रिएटर लैब्स नए रचनात्मक करियर के द्वार खोलेंगी। पांच विश्वविद्यालय टाउनशिप और नियोजित शैक्षणिक क्षेत्रों के लिए समर्थन क्षेत्रीय शिक्षा केंद्रों को मजबूत करेगा और प्रत्येक जिले में एक बालिका हॉस्टल सभी शिक्षार्थियों के लिए पहुंच और सम्मान सुनिश्चित करेगा। शिक्षा पर कुल लागत कर को 5त्न से घटाकर 2त्न करने से छात्रों और परिवारों पर वित्तीय बोझ कम होगा। शिक्षा जगत और उद्योग जगत के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करने से नवाचारी और व्यावहारिक समाधान सामने आएंगे, जो आर्थिक प्रगति के साथ-साथ समाज की वास्तविक जरूरतों को भी संबोधित करेंगे। उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर यह एक दूरदर्शी बजट है जो शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, बुनियादी ढांचे, रेलवे और पर्यटन विकास पर केंद्रित है। यह बजट वित्तीय समृद्धि की नींव रखेगा।

Dainik Jagran

बजट दूरदर्शी बजट है, जो भारत के समग्र विकास और प्रगति की दिशा में स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत करता है। शिक्षा क्षेत्र के लिए बढ़ा हुआ आवंटन, विशेष रूप से कौशल विकास और डिजिटल अवसंरचना पर दिया गया जोर, युवाओं को सशक्त बनाने और रोजगार क्षमता बढ़ाने में भूमिका निभाएगा। 15,000 स्कूलों और 500 कालेजों में एवीजीसी कंटेंट क्रिएटर लैब्स नए रचनात्मक करियर के द्वार खोलेंगी। पांच विश्वविद्यालय टाउनशिप और नियोजित शैक्षणिक क्षेत्रों के लिए समर्थन क्षेत्रीय शिक्षा केंद्रों को मजबूत करेगा और एक बालिका हास्टल सम्मान सुनिश्चित करेगा।

डा. अजय शर्मा, एसडी कालेज के प्रिंसिपल

दैनिक सवेरा टाइम्स
चंडीगढ़
2
चंडीगढ़, रविवार, 1 फरवरी 2026
www.dainiksaveratimes.com

एसडी कॉलेज में आईपीआर पर करवाए कार्यक्रम में छात्रों को दिए बौद्धिक संपदा अधिकारों के गुर

सत्र में उपस्थित वक्ता डॉ श्रीपर्णा बनर्जी।

सवेरा न्यूज/नीना शर्मा

चंडीगढ़, 31 जनवरी : जीजीडीएसडी कॉलेज सैक्टर 32 के केमिस्ट्री विभाग के रेज़ोनेंस क्लब द्वारा पीएम-उषा योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों को जागरूक करने के उद्देश्य से इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स आईपीआर आइडियाज़ क्यों मायने रखते हैं विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को बौद्धिक संपदा अधिकारों के महत्व, उनके संरक्षण तथा नवाचार और अनुसंधान में उनकी भूमिका से अवगत कराना था। वक्ता डॉ. श्रीपर्णा बनर्जी (सरकारी पंजीकृत पेटेंट एजेंट, इन/पीए 4840) ने आईपीआर की अहमियत पर प्रकाश डालते हुए कॉपीराइट, ट्रेडमार्क, पेटेंट और ट्रेड सीक्रेट्स जैसे विभिन्न प्रकारों को सरल भाषा में समझाया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार बौद्धिक संपदा की सुरक्षा रचनात्मकता को बढ़ावा देती है और प्रतिस्पर्धी ज्ञान-आधारित युग में नवाचार को मजबूती प्रदान करती है। दूसरे सत्र में पेटेंट विषय पर विस्तार से चर्चा की गई, जिसमें पेटेंट योग्य और नॉन-पेटेंट योग्य आविष्कारों, भारतीय एवं अमेरिकी पेटेंट कानूनों के बीच अंतर, तथा पेटेंट प्राप्त करने की प्रक्रिया, समय-सीमा और रोडमैप की विस्तृत जानकारी दी गई। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए केमिस्ट्री विभाग की सराहना की।

Dainik Savera Times 2-2-26

शिक्षा और रोजगार को नई दिशा देने वाला दूरदर्शी बजट: डॉ. अजय शर्मा

जीजीडीएसडी कॉलेज32 के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि केंद्रीय बजट 2026 एक दूरदर्शी बजट है, जो भारत के समग्र विकास और प्रगति की दिशा में स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत करता है। शिक्षा क्षेत्र के लिए बढ़ा हुआ आवंटन, विशेष रूप से कौशल विकास और डिजिटल अवसंरचना पर दिया गया जोर, युवाओं को सशक्त बनाने और उनकी रोजगार क्षमता बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगा। ऑनलाइन शिक्षा को बढ़ावा देने और डिजिटल साक्षरता को प्रोत्साहित करने जैसी पहलें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक समान पहुंच सुनिश्चित करने में सहायक होंगी और शहरी-ग्रामीण अंतर को कम करेंगी। 15,000 स्कूलों और 500 कॉलेजों में एवीजीसी कंटेंट क्रिएटर लैब्स नए रचनात्मक करियर के द्वार खोलेंगी। पांच विश्वविद्यालय टाउनशिप और नियोजित शैक्षणिक क्षेत्रों के लिए समर्थन क्षेत्रीय शिक्षा केंद्रों को मजबूत करेगा और प्रत्येक जिले में एक बालिका हॉस्टल सभी शिक्षार्थियों के लिए पहुंच और सम्मान सुनिश्चित करेगा। शिक्षा पर कुल लागत कर को 5 से घटाकर 2प्रतिशत करने से छात्रों और परिवारों पर वित्तीय बोझ कम होगा। शिक्षा जगत और उद्योग जगत के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करने से नवाचारी और व्यावहारिक समाधान सामने आएंगे, जो आर्थिक प्रगति के साथ-साथ समाज की वास्तविक जरूरतों को भी संबोधित करेंगे।

Divya Himachal 2-2-26

बजट से विकास को मिलेगी गति

जीजीडीएसडी कालेज के प्रिंसीपल डा. अजय शर्मा बोले, शिक्षा- रोजगार को मिलेगी नई दिशा

दिव्य हिमाचल ब्यूरो- चंडीगढ़

सेक्टर-32 स्थित जीजीडीएसडी कॉलेज के प्रिंसीपल डा. अजय शर्मा ने कहा कि केंद्रीय बजट 2026 एक दूरदर्शी बजट है, जो भारत के समग्र विकास और प्रगति की दिशा में स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत करता है। शिक्षा क्षेत्र के लिए बढ़ा हुआ आवंटन, विशेष रूप से कौशल विकास और डिजिटल अवसंरचना पर दिया गया जोरए युवाओं को सशक्त बनाने और उनकी रोजगार क्षमता बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगा।

प्रिंसीपल डा. अजय शर्मा

ऑनलाइन शिक्षा को बढ़ावा देने और डिजिटल साक्षरता को प्रोत्साहित करने जैसी पहलें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक समान पहुंच सुनिश्चित करने में सहायक होंगी और शहरी, ग्रामीण अंतर को कम करेंगी। 15000 स्कूलों और 500 कॉलेजों में एवीजीसी कंटेंट क्रिएटर लैब्स नए रचनात्मक करियर के द्वार खोलेंगी। पांच विश्वविद्यालय टाउनशिप और नियोजित शैक्षणिक क्षेत्रों के लिए समर्थन क्षेत्रीय शिक्षा केंद्रों को मजबूत करेगा और प्रत्येक जिले में एक बालिका होस्टल सभी शिक्षार्थियों के लिए पहुंच और सम्मान सुनिश्चित करेगा। शिक्षा पर कुल लागत कर को 5 प्रतिशत से घटाकर 2 प्रतिशत करने से छात्रों और परिवारों पर वित्तीय बोझ कम होगा। शिक्षा जगत और उद्योग जगत के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करने से नवाचारी और व्यावहारिक समाधान सामने आएंगे, जो आर्थिक प्रगति के साथ.साथ समाज की वास्तविक जरूरतों को भी संबोधित करेंगे। उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर यह एक दूरदर्शी बजट है जो शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाए बुनियादी ढांच, रेलवे और पर्यटन विकास पर केंद्रित है।

शिक्षा और रोजगार को नई दिशा देने वाला दूरदर्शी बजट : डॉ. अजय शर्मा

फास्ट मीडिया/चंडीगढ़/अंजू मौदगिल। सेक्टर-32 स्थित जीजीडीएसडी कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि केंद्रीय बजट 2026 एक दूरदर्शी बजट है, जो भारत के समग्र विकास और प्रगति की दिशा में स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत करता है। शिक्षा क्षेत्र के लिए बढ़ा हुआ आवंटन, विशेष रूप से कौशल विकास और डिजिटल अवसंरचना पर दिया गया जोर, युवाओं को सशक्त बनाने और उनकी रोजगार क्षमता बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगा। ऑनलाइन शिक्षा को बढ़ावा देने और डिजिटल साक्षरता को प्रोत्साहित करने जैसी पहलें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक समान पहुंच सुनिश्चित करने में सहायक होंगी और शहरी–ग्रामीण अंतर को कम करेंगी। 15,000 स्कूलों और 500 कॉलेजों में एवीजीसी कंटेंट क्रिएटर लैब्स नए रचनात्मक करियर के द्वार खोलेंगी।

पांच विश्वविद्यालय टाउनशिप और नियोजित शैक्षणिक क्षेत्रों के लिए समर्थन क्षेत्रीय शिक्षा केंद्रों को मजबूत करेगा और प्रत्येक जिले में एक बालिका हॉस्टल सभी शिक्षार्थियों के लिए पहुंच और सम्मान सुनिश्चित करेगा। शिक्षा पर कुल लागत कर को 5% से घटाकर 2% करने से छात्रों और परिवारों पर वित्तीय बोझ कम होगा। शिक्षा जगत और उद्योग जगत के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करने से नवाचारी और व्यावहारिक समाधान सामने आएंगे, जो आर्थिक प्रगति के साथ-साथ समाज की वास्तविक जरूरतों को भी संबोधित करेंगे। उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर यह एक दूरदर्शी बजट है जो शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, बुनियादी ढांचे, रेलवे और पर्यटन विकास पर केंद्रित है। यह बजट वित्तीय समृद्धि की नींव रखेगा।

शिक्षा और रोजगार को नई दिशा देने वाला दूरदर्शी बजट: डॉ. अजय शर्मा

» मदरलैंड संवाददाता

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित जीजीडीएसडी कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि केंद्रीय बजट 2026 एक दूरदर्शी बजट है, जो भारत के समग्र विकास और प्रगति की दिशा में स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत करता है। शिक्षा क्षेत्र के लिए बढ़ा हुआ आवंटन, विशेष रूप से कौशल विकास और डिजिटल अवसंरचना पर दिया गया जोर, युवाओं को सशक्त बनाने और उनकी रोजगार क्षमता बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगा। ऑनलाइन शिक्षा को बढ़ावा देने और डिजिटल साक्षरता को प्रोत्साहित करने जैसी पहलें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक समान पहुंच सुनिश्चित करने में सहायक होंगी और शहरीझग्रामीण अंतर को कम करेंगी। 15,000 स्कूलों और 500 कॉलेजों में एवीजीसी कंटेंट क्रिएटर लैब्स नए रचनात्मक करियर के द्वार खोलेंगी। पांच विश्वविद्यालय टाउनशिप और नियोजित शैक्षणिक क्षेत्रों के लिए समर्थन क्षेत्रीय शिक्षा केंद्रों को मजबूत करेगा और प्रत्येक जिले में एक बालिका हॉस्टल सभी शिक्षार्थियों के लिए पहुंच और सम्मान सुनिश्चित करेगा। शिक्षा पर कुल लागत कर को 5% से घटाकर 2% करने से

छात्रों और परिवारों पर वित्तीय बोझ कम होगा। शिक्षा जगत और उद्योग जगत के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करने से नवाचारी और व्यावहारिक समाधान सामने आएंगे, जो आर्थिक प्रगति के साथ-साथ समाज की वास्तविक जरूरतों को भी संबोधित करेंगे। उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर यह एक दूरदर्शी बजट है जो शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, बुनियादी ढांचे, रेलवे और पर्यटन विकास पर केंद्रित है। यह बजट वित्तीय समृद्धि की नींव रखेगा।

शिक्षा और रोजगार को नई दिशा देने वाला दूरदर्शी बजट : डॉ. अजय शर्मा

मनीमाजरा (चंडीगढ़), 1 फरवरी (हप्र)

सेक्टर-32 स्थित जीजीडीएसडी कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि केंद्रीय बजट 2026 एक दूरदर्शी बजट है, जो भारत के समग्र विकास और प्रगति की दिशा में स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत करता है। शिक्षा क्षेत्र के लिए बढ़ा हुआ आवंटन, विशेष रूप से कौशल विकास और डिजिटल अवसंरचना पर दिया गया जोर, युवाओं को सशक्त बनाने और उनकी रोजगार क्षमता बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगा। ऑनलाइन शिक्षा को बढ़ावा देने और डिजिटल साक्षरता को प्रोत्साहित करने जैसी पहलें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक समान पहुंच सुनिश्चित करने में सहायक होंगी और शहरी-ग्रामीण अंतर को कम करेंगी।

उन्होंने कहा कि 15,000 स्कूलों और 500 कॉलेजों में एवीजीसी कंटेंट क्रिएटर लैब्स नए रचनात्मक करियर के द्वार खोलेंगी। पांच विश्वविद्यालय टाउनशिप और नियोजित शैक्षणिक क्षेत्रों के लिए समर्थन क्षेत्रीय शिक्षा केंद्रों को मजबूत करेगा और प्रत्येक जिले में एक बालिका हॉस्टल सभी शिक्षार्थियों के लिए पहुंच और सम्मान सुनिश्चित करेगा। शिक्षा पर कुल लागत कर को घटाकर छात्रों और परिवारों पर वित्तीय बोझ कम होगा। शिक्षा जगत और उद्योग जगत के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करने से नवाचारी और व्यावहारिक समाधान सामने आएंगे, जो आर्थिक प्रगति के साथ-साथ समाज की वास्तविक जरूरतों को भी संबोधित करेंगे। उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर यह एक दूरदर्शी बजट है जो शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, बुनियादी ढांचे, रेलवे और पर्यटन विकास पर केंद्रित है। यह बजट वित्तीय समृद्धि की नींव रखेगा।

चंडीगढ़ लघु उद्योग भारती के अध्यक्ष अवि भसीन ने केंद्रीय बजट को सराहा

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत केंद्रीय बजट का लघु उद्योग भारती ने स्वागत किया है। लघु उद्योग भारती चंडीगढ़ के अध्यक्ष अवि भसीन ने कहा कि यह बजट एमएसएमई और महिला उद्यमियों को सशक्त करने के साथ-साथ युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करेगा। इंफ्रास्ट्रक्चर, स्वास्थ्य, डिजिटल विकास और कर सरलीकरण पर दिया गया जोर उद्योग जगत के लिए सकारात्मक है। यह बजट एमएसएमई, महिला उद्यमियों, युवाओं, स्वास्थ्य एवं बुनियादी ढांचे को मजबूती देने वाला और समावेशी विकास को बढ़ावा देने वाला है। बजट में एमएसएमई सेक्टर के लिए आसान ऋण, सरल कर व्यवस्था, जीएसटी में सुधार तथा पारंपरिक (लीगेसी) उद्योगों को समर्थन देकर रोजगार सृजन को गति मिलेगी। हर जिले में एक महिला होस्टल उद्यमिता को प्रोत्साहन और शिक्षा से रोजगार की दिशा में उठाए गए कदम सामाजिक सशक्तिकरण को मजबूत करेंगे।

सरकार द्वारा पेश किया गया बजट निराशाजनक : हरमेल केसरी

कांग्रेस नेता हरमेल केसरी ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा पेश किया गया बजट बिल्कुल निराशाजनक है। इस बजट में कुछ भी नया राहत देने वाला नहीं है। बजट में महिलाओं के लिए कुछ नहीं है, युवाओं के लिए कुछ नहीं है, और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के लिए भी कुछ नहीं है। चंडीगढ़ प्रशासन को भी पहले से कम फंड मिला है क्योंकि पिछले बजट में मिले फंड को पूरा न खर्च करने का खामियाजा चंडीगढ़ के लोगों को सहना पड़ेगा, इसी कारण इस बजट में 460 करोड़ रुपए की कटौती चंडीगढ़ के बजट में भी की गई है। इससे चंडीगढ़ शहर की तरक्की में बहुत फर्क पड़ेगा।

प्रेम गर्ग ने चंडीगढ़ के बजट में कटौती को बताया 'विकास विरोधी'

चंडीगढ़ से आप नेता प्रेम गर्ग ने केंद्र सरकार के वित्त वर्ष 2026-27 के बजट में चंडीगढ़ के लिए किए गए भारी वित्तीय आवंटन में कटौती की कड़ी आलोचना करते हुए इसे शहर के विकास और जनसेवाओं पर गंभीर प्रहार बताया है। गर्ग ने कहा, "यह कोई सामान्य समायोजन नहीं, बल्कि चंडीगढ़ के प्रति समर्थन में चिंताजनक कमी है।" उन्होंने कहा कि बजट पहले से कम दिया गया है जिससे शहर में विकास की रफतार थमेगी।

आप ने कहा-आम आदमी पर भारी मार, बड़े धनवानों के लिए रास्ता खुला

विजयपाल सिंह, अध्यक्ष, आम आदमी पार्टी, ने कहा कि फाइनेंस बिल 2026 और चंडीगढ़ यूटी बजट 2026-27 बड़े कॉरपोरेट मित्रों के लिए रास्ता खोलते हुए आम नागरिक, छोटे व्यापारी, कर्मचारी और पेंशनर्स पर लगातार आर्थिक बोझ डाल रहे हैं। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी इस आर्थिक अन्याय के खिलाफ देश की जनता के साथ मजबूती से खड़ी है और इस विकास-विरोधी बजट के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करेगी, ताकि जनता को इस अन्याय की सच्चाई पता चल सके। विक्रांत ए. तंवर, आम आदमी पार्टी चंडीगढ़ के वरिष्ठ नेता, व्यापार मंडल के जनरल सेक्रेटरी एवं स्टेट मीडिया इंचार्ज ने कहा कि फाइनेंस बिल 2026 और चंडीगढ़ यूटी बजट 2026-27 आम नागरिक, छोटे व्यापारी और मध्यम वर्ग के लिए कोई वास्तविक राहत प्रदान नहीं करते। उन्होंने कहा कि यह बजट और विधेयक केवल बड़े कॉरपोरेट और उच्च आय वर्ग को लाभ पहुंचाने के लिए बनाए गए हैं, जबकि आम जनता पर बोझ लगातार बढ़ाया गया है।

उन्होंने कहा कि अधिभार और उपकर की संरचना पूरी तरह से 'अत्यधिक संपन्न वर्ग के अनुकूल और मध्यम वर्ग के खिलाफ' है। फाइनेंस बिल 2026 में विदेशी संपत्ति से संबंधित खुलासों पर छोटे करदाताओं के लिए 30 प्रतिशत टैक्स और 100 प्रतिशत तक जुर्माने का प्रावधान किया गया है। इससे छोटे और मध्यम स्तर के कमाई करने वाले, पेशेवर तथा एनआरआई पर अत्यधिक दबाव पड़ता है, जबकि बड़े कॉरपोरेट और अति-धनाढ्य वर्ग सुरक्षित बने रहते हैं।

Punjab Kesari 2.2.26

'शिक्षा व रोजगार को नई दिशा देने वाला दूरदर्शी बजट'

चंडीगढ़, 1 फरवरी (आशीष): सैक्टर-32 स्थित जी.जी.डी.एस.डी. कॉलेज के प्रिंसीपल डॉ. अवय शर्मा ने कहा कि केंद्रीय बजट 2026 एक दूरदर्शी बजट है, जो भारत के समग्र विकास और प्रगति की दिशा में स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत करता है। शिक्षा क्षेत्र के लिए बड़ा आवंटन, विशेष रूप से कौशल विकास और डिजिटल अवसंरचना पर जोर, युवाओं को सशक्त बनाने व रोजगार क्षमता बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगा।

अवय शर्मा।

ऑनलाइन शिक्षा को बढ़ावा देने और डिजिटल साक्षरता को प्रोत्साहित करने जैसी पहलें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक समान पहुंच सुनिश्चित करने में सहायक होंगी और शहरी–ग्रामीण अंतर को कम करेंगी। 15,000 स्कूलों और 500 कॉलेजों में एसीजीसी कंटेंट क्रिएटर लैब्स नए रचनात्मक करियर के द्वार खोलेंगी। पांच विश्वविद्यालय टाउनशिप और नियोजित शैक्षणिक क्षेत्रों के लिए समर्थन क्षेत्रीय शिक्षा केंद्रों को मजबूत करेगा और प्रत्येक जिले में एक बालिका हॉस्टल सभी शिक्षार्थियों के लिए पहुंच और सम्मान सुनिश्चित करेगा। शिक्षा पर कुल लागत कर को 5 से घटा 2% करने से छात्रों और परिवारों पर वित्तीय बोझ कम होगा। शिक्षा जगत और उद्योग जगत के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करने से नवाचारी और व्यावहारिक समाधान सामने आएंगे, जो आर्थिक प्रगति के साथ-साथ समाज की वास्तविक जरूरतों को भी संबोधित करेंगे।

विकसित भारत को मद्देनजर रखते हुए बजट पेश किया

चंडीगढ़, (आशीष): म्युचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर राजीव कथूरिया ने बताया कि बजट बहुत अच्छा है, सरकार ने विकसित भारत को मद्देनजर रखते हुए बजट पेश किया है। जी.डी.पी. विकास दर का लक्ष्य 7% रखा है, जिसे राजकोषीय अनुशासन और मध्यम मुद्रास्फीति के जरिए पूरा किया जाएगा, सरकार का ध्यान उत्थान के साथ-साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर भी है। सरकार ने बजट में वित्तीय घाटा का लक्ष्य जी.डी.पी. का 4.3% रखा है और कर्ज और जी.डी.पी. अनुपात का लक्ष्य 50% रखा है।

राजीव कथूरिया

इसकी हमारी अर्थव्यवस्था और मजबूत होगी। सरकार ने बजट में रक्षा का बजट 15.3% और स्वास्थ्य सेवा का बजट 8.9% बढ़ाया है।

आर्थिक गतिविधियों को मजबूती मिलेगी : डॉ. रुचि

चंडीगढ़, 1 फरवरी (आशीष): शिक्षा क्षेत्र के लिए बढ़ाए गए बजट पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए एस.डी. कॉलेज के इकनॉमिक्स विभाग की प्रोफैसर डॉ. रुचि शर्मा ने कहा कि इस वर्ष शिक्षा क्षेत्र का आवंटन पिछले वर्ष की तुलना में उल्लेखनीय रूप से बढ़ाया गया है। उन्होंने इसे देश के युवाओं के भविष्य के लिए सकारात्मक कदम बताया। डॉ. रुचि शर्मा ने कहा कि बजट में युवाओं के लिए रोजगार सृजन पर विशेष ध्यान दिया गया है। स्टार्टअप, एमएसएमई, मैन्युफैक्चरिंग और पर्यटन जैसे प्रमुख क्षेत्रों में नए अवसर पैदा होने की संभावना है, जिससे आर्थिक गतिविधियों को मजबूती मिलेगी।

डॉ. रुचि शर्मा

उन्होंने कहा कि पर्यटन को प्रोत्साहन मिलने से स्थानीय स्तर पर आर्थिक विकास को गति मिलेगी और युवाओं को अपने ही क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। उन्होंने कहा कि बजट के प्रावधानों से विदेश यात्रा और विदेशों में शिक्षा प्राप्त करना भी अपेक्षाकृत सस्ता होगा, जिससे विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ने के अधिक अवसर मिलेंगे।

इसके साथ ही लखपति दीदी योजना के विस्तार को महिला सशक्तिकरण की दिशा में अहम कदम बताते हुए उन्होंने कहा कि इससे महिलाओं को क्रेडिट-लिंक्ड स्वरोजगार, उद्यमिता और स्थानीय बाजारों से जोड़ने में मदद मिलेगी।